प्रज्वलित

दीपशिखा

प्रो.नीलिमा गुप्ता

संपादक
लक्ष्मी पाण्डेय

समर्पण

असित गिरि समंस्यात कज्जलं सिंधु पात्रे।
सुर तरुवर शाखा लेखनी पत्र मुर्वी।।
लिखति यदि गृहीत्वा शारदा सर्वकालम्।
तदपि तव गुणानामीश पारं न याति।।

शिव महिम्न स्तोत्रम्

प्रज्ज्वलित दीपशिखा

प्रो. नीलिमा गुप्ता

प्रज्ज्वलित दीपशिखा
प्रो. नीलिमा गुप्ता

संपादक
लक्ष्मी पाण्डेय

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए संपादक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार संपादक के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

© संपादक - लक्ष्मी पाण्डेय

प्रथम संस्करण : 2024

ISBN 978-93-48214-52-2

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032
e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com
फोन : 7291920186, 09350809192
www : anuugyabooks.com

शाखा कार्यालय : धर्मकांटा चौक, राष्ट्रीय राजमार्ग 57,
एम.बी.बी.एल कॉलेज रोड, बैरिया, मुजफ्फरपुर-842 003 बिहार

शाखा कार्यालय : बी-1171, द्वितीय तल,
ग्रीन फील्ड्स कॉलोनी, फरीदाबाद-121 010 हरियाणा

शाखा कार्यालय : 301, तृतीय तल, राधाकृष्ण अपार्टमेंट, सांई कॉलोनी,
स्टेशन रोड, चाईबासा, पश्चिमी सिंहभूम-833 201 झारखंड

आवरण

असरार, सागर

मुद्रक

थामसन प्रेस, दिल्ली

PRAJJWALIT DEEPSHIKHA: PROF. NEELIMA GUPTA *edited by* ***Laxmi Pandey***

नितिन गडकरी
NITIN GADKARI

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
भारत सरकार
Minister
Road Transport and Highways
Government of India

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि आपके द्वारा डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश की वर्तमान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता जी के व्यक्तित्व पर आधारित पुस्तक **'प्रज्ज्वलित दीपशिखा'** का संपादन किया जा रहा है।

मैं पुस्तक के सफल संपादन की कामना करता हूँ एवं मुझे विश्वास है कि पुस्तक अपने प्रकाशन के उद्देश्यों को पुरा करने में सार्थक सिद्ध होगी।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(नितिन गडकरी)

नई दिल्ली,
17 अक्टूबर, 2024.

Room No. 501, Transport Bhawan, 1, Sansad Marg, New Delhi – 110 001, Tel.: 011-23710121, 23711252 (O), 23719023 (F),
E-mail: nitin.gadkari@nic.in; website-www.morth.nic.in

Contents

- प्राक्कथन – ***डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय*** 15
- औरों के मुख से... 19
- ALWAYS IN THE NEWS... 20
- CATCHING THE HEADLINES... 21
- प्रो. नीलिमा गुप्ता : उपलब्धियों की अनवरत यात्रा 23
- डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) की कुलगुरु के रूप में प्रो. नीलिमा गुप्ता का योगदान एवं उपलब्धियाँ 41
- Contributions: Tilka Manjhi Bhagalpur University, Bhagalpur and Munger University, Munger 61
- प्रो. नीलिमा गुप्ता का कुलपति, सी. एस. जे. एम. विश्वविद्यालय, कानपुर के कार्यकाल में योगदान / उपलब्धियाँ 69
- 'रामगंगा स्वच्छता अभियान' में प्रो. नीलिमा गुप्ता का प्रोजेक्ट बना मील का पत्थर 77
- आत्मकथ्य – ***प्रो. नीलिमा गुप्ता*** 85
- डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से बातचीत 102
- प्रो. नीलिमा गुप्ता को Most Influential Women in Education घोषित किए जाने के पश्चात् BW Education की ओर से पूनम सिंह द्वारा लिया गया साक्षात्कार– 124

परिवार की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता **133**

- श्रीमती विमल गुप्ता 135
- डॉ. डी. के. गुप्ता 138
- Prof. Indu Goyal 142
- Dr. Dev Varshney MD 145
- Dr. Maya Varshney MD 146
- श्रीमती सुषमा गर्ग 147
- Dr. Mudit Agrawal 150
- Smt. Shilpa 153
- Dr. Ruchit Agrawal 155

- Smt. Ankita Suri 158
- Smt. Meetu 161

गुरु की दृष्टि में शिष्या प्रो. नीलिमा गुप्ता 169

- प्रो. दुरदाना शमीम जयराजपुरी 171

अकादमिक एवं शोध संस्थाओं के विदेशी सहयोगियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 173

- Prof. Gundu H. R. Rao 175
- Dr. Andrzej Pilarczyk 179
- Prof. Dr. Said Ibrahim Shalaby 186
- Prof. Hamida Khanum 192

कुलपतियों, कुलाधिपतियों एवं निदेशक (डायरेक्टर्स) की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 201

- श्री कन्हैया लाल बेरवाल 203
- Prof. R. C. Sobti 205
- प्रो. गौरी दत्त शर्मा 208
- Prof. Suranjan Das 210
- Prof. S. C. Sharma 212
- डॉ. पंकज मित्तल 215
- प्रो. सत प्रकाश बंसल 218
- प्रो. एन. सी. गौतम 222
- Prof. Peeush Ranjan Agrawal 224
- डॉ. महावीर अग्रवाल 227
- Prof. Akhilesh Kumar Pandey 229
- प्रो. राजाराम यादव 231
- प्रो. मोहन लाल छीपा 233
- प्रो. डी. के. शर्मा 239
- प्रो. भरत मिश्रा 241
- प्रो. पवन कुमार पोद्दार 243
- Dr. Kailash Chandra 245

अकादमिक साथियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 257

- Prof. B. D. Joshi 259
- Prof. B. N. Pandey 268
- डॉ. वी. पी. वार्ष्णेय 271
- प्रो. (डॉ.) अतुल एम. गोसाई 274
- Prof. B. R. Kaushal 277
- प्रो. हरिशंकर सिंह 279
- प्रो. संदीप मल्होत्रा 281
- Prof. Kadambri Gupta 285
- Dr. Anjum Nasreen Rizvi 287
- डॉ. रेखा कालिया भारद्वाज 289
- Dr. Pratibha S. Gaikwad 292
- प्रो. सुरेश आचार्य 295
- प्रो. जे.पी. शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष 297
- Dr. Neera Kapur 299
- डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी 300
- डॉ. शिव जी मालवीय 302
- Sri. Biswajit Roy Chowdhury 303

पूर्व सहकर्मियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 307

- प्रो. एन. बी. सिंह 309
- प्रो. श्याम बिहारी लाल 311
- Dr. A. K. Sinha 314
- डॉ. अंजुली अग्रवाल 318
- Prof. S. S. Bedi 319
- प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार 320
- डॉ. मदन लाल 322

अधीनस्थ अध्यापकों एवं अधिकारियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 325

- Prof. Sanjay Kumar Swarnkar 327
- प्रो. वर्षा गुप्ता 329
- प्रो. सिद्धार्थ कुमार मिश्र 339
- प्रो. अशोक कुमार ठाकुर 342

- प्रो. नागेश दुबे 344
- डॉ. निरंजन प्रसाद यादव 347

मित्रों एवं सहपाठियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 351

- Prof. Wasim Ahmad 353
- Dr. Kiran Sharma 357
- Prof. (Dr.) Mohammad Arif 359
- प्रो. जमील अहमद 361

शोधार्थियों की दृष्टि में प्रो. नीलिमा गुप्ता 365

- Dr Gopal Krishna 367
- डॉ. मंजू भास्कर 369
- Dr. Pooja Chandra 373
- Dr. Shahla Nigar 375
- डॉ. विनोद कुमार वर्मा 380
- डॉ. मनोज कांडपाल 384

समीक्षाएँ (Reviews) 389

जिन खोजा तिन पाइयाँ...

- Prof. Zahid Hussain Zaidi 393
- Prof. Seema Langer 395
- Prof. Rajendra Singh Fartyal F.R.E.S. 397
- Prof. Sunil P. Trivedi 403
- Prof. Anoop K Dobriyal 408
- Prof. Swati Mittal 414
- Prof. Neelu Jain Gupta 416
- Prof. Naveen Kango 425
- Prof. Kishor Gopal Patil 429
- Prof. Premendu P. Mathur 431
- Prof. C. P. M. Tripathi 433
- Prof. Rajnikant Mishra 434
- Prof. Nirmal Kumar Ganguly 436

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता

प्रो. नीलिमा गुप्ता मानद कर्नल कमांडेंट रैंक से विभूषित

प्राक्कथन

शक्ति रूपेण संस्थिता

प्रज्ज्वलित दीपशिखा ऊर्ध्वमुखी चेतना का प्रतीक है। इस चेतना का धारक ज्ञान मार्ग से यात्रा करता हुआ ज्ञान तीर्थ तक पहुँचता है। प्रो. नीलिमा गुप्ता ऐसे ही ज्ञान तीर्थ की यात्री हैं। उनकी अनवरत सारस्वत साधना ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अग्रगण्य भारतीय महिला वैज्ञानिक तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र की प्रभावशाली महिला के रूप में स्थापित कर दिया है। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.) की कुलगुरु प्राणी शास्त्री, कर्नल प्रो. नीलिमा गुप्ता भारतीय उच्च शिक्षा और शोध जगत की सशक्त हस्ताक्षर हैं।

दिव्य शक्तियाँ अर्थात् देवताओं और देवियों की शक्तियाँ इस पृथ्वी को सुन्दर, सुखी और सशक्त बनाने के लिए ही हैं लेकिन देवगण इन शक्तियों का प्रयोग स्वयं नहीं करते बल्कि इस श्रेय का भागी वे मनुष्य को बनाते हैं जो इस कर्मप्रधान सृष्टि का विवेकवान प्राणी है। दिव्य शक्तियाँ अनुग्रह के लिए किसी ऐसे व्यक्तित्व का चयन करती हैं जो उनके अनुग्रह को अपने पौरुष, परिश्रम, कर्मठता, निष्ठा और विवेक से कल्याणकारी तथा समाजोपयोगी बना दे। संसार में अनुग्रह का दुरुपयोग करने वाले भी होते हैं इसलिए चयन आवश्यक है। दिव्य शक्तियाँ चयनित व्यक्तित्व पर अनुग्रह के पश्चात् उसके कार्यों पर दृष्टि रखती हैं और जब वे उस व्यक्तित्व द्वारा अपने अनुग्रह को सकारात्मक और कल्याणकारी दिशा में फलीभूत होते देखती हैं तो वे सभी शक्तियाँ संगठित होकर उस व्यक्तित्व के भीतर स्थायी होकर बैठ जाती हैं। ये शक्तियाँ आत्मदृढ़ता, क्षमा, दया, शांति, धैर्य, संयम, करुणा, प्रेम आदि अनेक रूपों में अनेक परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार बौद्धिक चेतना के माध्यम से प्रकट होती हैं। सत्य की रक्षा के लिए कठोर निर्णय लेते हुए, विवेकपूर्ण निर्णयों द्वारा दुर्बलों की रक्षा करते हुए, कठिन परिश्रम और संघर्ष की आँच में तपते हुए इन शक्तियों का स्वरूप प्रखर होता है। मुझे लगता है, प्रो. नीलिमा गुप्ता जी ऐसी ही अनुग्रहीत हैं। उनका प्रखर वैदुष्य, निर्णय लेने की क्षमता, धैर्यपूर्वक समाधान की ओर बढ़ना आदि इसी संगठित शक्ति के अनुग्रह का प्रमाण है। प्रो. नीलिमा गुप्ता अपने ज्ञान, कर्म और निष्ठा से दाता (परमात्मा) और ग्रहीता (मनुष्य) के बीच अपने श्रेष्ठ माध्यम होने को प्रमाणित करने का प्रयास निरंतर करती रहती हैं।

बाल्यकाल से अद्यतन उन्होंने जिस सारस्वत साधना का, परिश्रम और कर्मठता का परिचय दिया है, वह अद्भुत है। सराहनीय है। बेटी, पत्नी, माँ, बहू और तमाम पारिवारिक तथा सामाजिक रिश्तों के बीच स्निग्ध सहजता के साथ सामन्जस्य स्थापित करते हुए, उन सभी रिश्तों को आनन्दपूर्वक समय देते हुए, अकादमिक जगत में